एक नजर में

बस्तियों में नए वस्त्र, मिठाई एवं उपहार वितरित



इंदौर . अग्रवाल मैत्री संघ विजय नगर की ओर से दूसरों के जीवन में खुशियाँ बांटने और उनके चेहरों पर मुस्कान लाने के उद्देश्य से सिल्वर स्प्रिंग, स्कीम 140 निपान्या एवं स्कीम 78 सहित विभिन्न क्षेत्रों में जरुरतमन्द बच्चों को नए वस्त्र, मिठाइयाँ एवं आतिशबाजी का वितरण किया गया। संघ के अध्यक्ष नरेन्द्र अग्रवाल की प्रेरणा से आयोजित इन सेवा कार्यों में सचिव डॉ. मंजरी अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, डॉ. पवन दामोदर, प्रमोद अग्रवाल, संदीप अग्रवाल सहित अनेक सदस्यों ने सहयोग प्रदान कर सभी बंधुओं को दीपावली की पूर्व बेला में बधाई एवं शुभकामनाएं भी समर्पित की। जिन क्षेत्रों में यह सेवा कार्य किया गया, वहां उपहार पाते ही बच्चों के चेहरों पर खुशियाँ झूम उठीं। श्री अग्रवाल मैत्री संघ की इस पहल का विभिन्न सामाजिक संगठनों ने स्वागत किया और इसे सनातन धर्म के लिए सार्थक अभियान बताया।

औषधीय पौधों का पूजन कर किया रोपण



इंदौर . धनतेरस पर जहां लोग धन-समृद्धि की कामना करते हैं, वहीं मालवमंथन ने आरोग्य और प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए हरित दीपावली मनाने का संकल्प दिलाया. धन्वंतरि जयंती के अवसर पर रुक्मणीबेन दीपचंदभाई गाड़ी नर्सिंग ट्रेनिंग सेंटर में औषधीय पौधों का पूजन कर उनका रोपण किया गया. साथ ही हरित दीप प्रज्वलित कर पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन का संदेश दिया गया. मालवमंथन के संस्थापक एवं कार्यक्रम आयोजक डॉ. स्वप्निल व्यास ने कहा कि भारतीय संस्कृति में धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि का पूजन आरोग्य के महत्व को दर्शाता है. स्वस्थ शरीर और स्वच्छ पर्यावरण के बिना वास्तविक समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने जल को सबसे अनमोल संपदा बताते हुए कहा कि जिस तरह हम अपनी संपत्ति सुरक्षित रखते हैं, उसी तरह जल संरक्षण को भी प्राथमिकता देनी होगी. संस्थान की प्राचार्य डॉ. लवली ए. जोशी ने औषधीय पौधों और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विचार रखे. कार्यक्रम का संचालन डॉ. सपना सिंह ने किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के गिरधर गोपाल नागर, गिरीश काबरा, कमलेश सोमानी सहित संस्थान के प्राध्यापक और विद्यार्थी मौजूद रहे. आयोजन के माध्यम से संदेश दिया गया कि दीपावली का वास्तविक उत्सव तभी सार्थक है, जब दीपों के साथ प्रकृति संरक्षण, जल बचाने और हरियाली बढ़ाने का संकल्प भी लिया जाए.

गोकुलधाम सोसायटी में विविधता में एकता

इंदौर . टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' गोकुलधाम सोसाइटी के माध्यम से भारत की विविधता में एकता की खूबसूरत मिसाल पेश कर रहा है. प्यार से 'मिनी इंडिया' के नाम से पहचानी जाने वाली इस सोसाइटी में अलग-अलग धर्मों, संस्कृतियों और पृष्ठभूमि के लोग एक परिवार की तरह मिल-जुलकर रहते हैं. उनके विचार अलग हो सकते हैं और कई बार आपसी मतभेद भी होते हैं, लेकिन मुश्किल समय में एक-दूसरे का साथ देने की उनकी भावना कभी कम नहीं होती. दीवाली का त्योहार करीब आते ही गोकुलधाम सोसाइटी में होने वाला उत्सव एक बार फिर इसी आपसी एकता और भाईचारे की भावना को जीवंत कर देता है. शो की दीवाली से जुड़ी कहानियों में संवेदनशीलता, सामाजिक जिम्मेदारी और जरूरतमंदों की मदद करने का संदेश भी दिया गया है. शो के बारे में निर्माता और क्रिएटर असित कुमार मोदी कहते हैं मेरा मानना है कि साधारण कहानियों में लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने की खूबसूरत ताकत होती है. एक क्रिएटर के तौर पर मैं हमेशा से अपने शो के माध्यम से इसी भावना को दिखाना चाहता हूं.

आइस मेक रेफिजरेशन के राजस्व में 41% की वृद्धि

इंदौर . रेफ्रिजरेशन और कोल्ड-चेन सॉल्यूशंस क्षेत्र की कंपनी आइस मेक रेफ्रिजरेशन लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में मजबूत राजस्व वृद्धि दर्ज करते हुए तिमाही आधार पर मुनाफे में वापसी की है। 30 सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही में कंपनी का समेकित परिचालन राजस्व 40.6% बढ़कर 207.38 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 147.49 रुपए करोड़ था. कंपनी ने दूसरी तिमाही वित्त वर्, 27 में 2.71 करोड़ का समेकित कर-पश्चात लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 2.02 करोड़ से अधिक है. गौरतलब है कि कंपनी ने पहली तिमाही में घाटा दर्ज किया था. वहीं, वित्त वर्ष की पहली छमाही में समेकित राजस्व 49.1% बढ़कर 386.26 करोड़ रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 258.99 करोड़ रुपए था. कंपनी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर चंद्रकांत पी. पटेल ने कहा दूसरी तिमारी वित्त वर्ष 27 हमारे कारोबार में निरंतर वृद्धि की गति को दर्शाती है. राजस्व में लगभग 41% की सालाना वृद्धि के साथ तिमाही में दोबारा मुनाफे में लौटना उत्साहजनक है.

कंटेस्टेंट दुर्गेश के लिए कुमार सानू का खास तोहफा

इंदौर . किसी कलाकार के सफर में उसके गुरु का आशीर्वाद और मार्गदर्शन बेहद अहम् होता है. गुरु की सीख और उनका साथ हर कामयाबी को और भी खास बना देता है. संगीत, प्रोत्साहन और अपनेपन के इसी जज्बे को दिखाते हुए ज़ी टीवी का 'सा रे गा मा पा 2026' अपने आने वाले दिवाली स्पेशल एपिसोड में एक ऐसा ही भावुक पल लेकर आ रहा है. 'हिंदुस्तान का संगीतस्तान' बनने के अपने वादे पर खरा उतर रहा यह मशहूर सिंगिंग रियलिटी शो कंटेस्टेंट दुर्गेश यादव के लिए एक यादगार सरप्राइज पेश करेगा। इस खास मौके पर उनके गुरु पंडित गिरिजाशंकर त्रिपाठी भी उपस्थित रहेंगे, जिससे दिवाली का यह जश्न और भी खास बन जाएगा. दुर्गेश लंबे समय से चाहते थे कि उनके गुरु शो में आकर उन्हें आशीर्वाद दें, लेकिन कई कोशिशों के बावजूद ऐसा नहीं हो पा रहा था. दुर्गेश के लिए इस मुलाकात की अहमियत समझते हुए 'सा रे गा मा पा' की टीम ने खास पहल की और उनके गुरु को सेट पर बुलाकर उन्हें सरप्राइज दिया. पंडित गिरिजाशंकर त्रिपाठी जी से बातचीत के दौरान जजों ने उनके परिवार के बारे में भी पूछा.

'राइज़ एंड फॉल' सीज़न 2 को मिला विजेता

इंदौर . अनपेक्षित दोस्ती और गहरी दुश्मनी से लेकर जीत के जश्न और निराशा के पलों तक, टावर के अंदर का सफर हमेशा उतार-चढ़ाव और रोमांच से भरा रहा! बदलती परिस्थितियों, मुश्किल फैसलों और लगातार मिलती चुनौतियों से भरे इस सफर के बाद एमएक्स ओरिजिनल राइज़ एंड फॉल सीजन 2 में शहजाद पूनावाला को विजेता घोषित किया गया है, उन्होंने शानदार ट्रॉफी के साथ 35 लाख की इनामी राशि भी जीती. वीरेंद्र सहवाग के होस्ट किए गए इस रियलिटी शो में 15 मशहूर हस्तियों ने रणनीति, धैर्य और हर चुनौती का सामना करते हुए मुकाबले में बने रहने के लिए रोमांचक जंग लड़ी. सीजन की सफलता पर बात करते हुए, प्राइम वीडियो इंडिया के एवीओडी कंटेंट डायरेक्टर और हेड अमोघ दुसाद ने कहा, एमएक्स ओरिजिनल राइज़ एंड फॉल सीजन 2 को मिली शानदार प्रतिक्रिया दर्शकों के इस अनोखे रियलिटी शो के प्रति प्यार को फिर से साबित करती है. यह शो सिर्फ प्रतियोगियों के बीच टकराव तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें खेल, रणनीति और सोच-समझकर उठाए गए कदमों पर खास ध्यान दिया गया है, जो दर्शकों की दिलचस्पी बनाए रखते हैं.

धर्मसभाओं में नहीं किया विद्युत और यांत्रिक उपकरणों का प्रयोग

इंदौर . एक ओर जहाँ पूरे विश्व में ग्लोबल वार्मिंग, मौसम की बेरुखी या बेईमानी और बिजली एवं जल संकट सहित बढ़ते कार्बन उत्सर्जन जैसी चुनौतियाँ हाथ फैलाए खड़ी है, वहीं जैन समाज के 22 हजार से अधिक परिवारों का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो बिना बिजली, बिना पंखे, बिना एसी और बिना माइक के संयमित जीवन शैली अपनाकर प्रतिवर्ष लगभग 500 मैट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन में कमी का सार्थक प्रयास कर रहे हैं. चातुर्मास के दौरान भी इंदौर में 3 स्थानों सहित पूरे देश में लगभग सभी बड़े शहरों या छोटे कस्बों में संतों के सानिध्य में हुई धर्मसभाओं में इसी तरह विद्युत उपकरणों ने पूरी तरह परहेज रखा गया. साधुमार्गी जैन समता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र गाँधी, इंदौर इकाई के अध्यक्ष पारस बोहरा एवं मनीष बोहरा ने बताया कि देश में 105 समता भवन और 200 से अधिक स्थानक हैं जहाँ साधुमार्गी जैन समता संघ के साधु, साध्वी, भगवंतों की धार्मिक गतिविधियाँ संचालित होती हैं.

संत रविदास के विचार सद्भाव के प्रेरणा स्रोत : सिलावट

इंदौर. संत रविदास ने अपने जीवन और संदेशों के माध्यम से समाज को समानता, भाईचारे, सद्भाव और सामाजिक एकता का मार्ग दिखाया. उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और समरसता की भावना को मजबूत बनाने की प्रेरणा देते हैं. उनके आदर्शों को आत्मसात करना और आने वाली पीढ़ियों तक उनके विचारों को पहुंचाना हम सभी का दायित्व है.

मंत्री ने पानोड़ में संत रविदास भवन का किया भूमिपूजन



यह बात जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कही. मंत्री ने जिले के ग्राम पंचायत पानोड़ में विकास कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए ग्रामीणों को 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले संत श्री रविदास भवन की महत्वपूर्ण सौगात दी. मंत्री सिलावट ने जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों की मौजूदगी में विधि-विधान से भवन का भूमिपूजन किया। मंत्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण, सामाजिक समरसता और गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है. सरकार की प्राथमिकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों तथा सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए आवश्यक संसाधनों का विकास किया जाए। ग्राम पानोड़ में संत श्री रविदास भवन का निर्माण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. भूमिपूजन कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गुणवत्ता से समझौता नहीं हो

इस दौरान मंत्री श्री सिलावट ने संबंधित निर्माण एजेंसी एवं अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि भवन का निर्माण निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए. निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए तथा कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि ग्रामीणों को शीघ्र इसका लाभ मिल सके.

8 भिक्षुकों को किया रेस्क्यू

इंदौर. दीपावली सहित आगामी त्योहारों को देखते हुए शहर को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में भिक्षावृत्ति मुक्त इंदौर अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन शुरू किया गया है. अभियान के तहत शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों, धार्मिक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है. विभागीय दल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है.

त्योहारों के मद्देनजर भिक्षावृत्ति मुक्त इंदौर अभियान तेज

महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा ने बताया कि अभियान के तहत गठित दल द्वारा शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में निरंतर भ्रमण एवं निगरानी की जा रही है. इसी क्रम में दल द्वारा मिल क्षेत्र से होते हुए परदेशीपुरा एवं पाटनीपुरा क्षेत्र में कार्रवाई की गई. इस दौरान मार्ग में आने वाले शनि मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर भी सर्चिंग की गई। अभियान के दौरान कुल 8 भिक्षुकों को रेस्क्यू किया गया. उन्होंने बताया कि त्योहारों के दौरान प्रमुख धार्मिक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही बढ़ने के मद्देनजर अभियान के तहत विशेष सतर्कता बरती जा रही है. शहर को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के लिए विभागीय टीम द्वारा लगातार निगरानी एवं आवश्यक कार्रवाई जारी रहेगी.

नगर निगम का कल सुबह 4 बजे से चलेगा विशेष सफाई अभियान

इंदौर. नगर निगम द्वारा शहर में दीपावली के बाद सोमवार सुबह 4 बजे से विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा. इसके तहत आज दीपावली पर पटाखों और अन्य सामग्रियों के कचरे का समय पर निस्तारण करने की योजना बनाई गई है.

शहर में दीपावली त्यौहार पर स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा सिटी बस ऑफिस में समीक्षा बैठक की. आयुक्त सिंघल ने दीपावली त्यौहार पर शहर के प्रमुख बाजारों, व्यावसायिक क्षेत्रों, चौराहों, कॉलोनियों एवं बस्तियों में आतिशबाजी के बाद कचरे का समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि इंदौर स्वच्छता में अग्रणी रहा है, इसलिए दीपावली पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अस्थाई बाजार एवं आतिशबाजी के बाद बड़ी मात्रा में कचरा निकलता है. दीपावली के दूसरे दिन सुबह 4 बजे से ही विशेष सफाई अभियान चलाया जाएं. उक्त अभियान के तहत नगर निगम का स्वास्थ्य अमला शहर के प्रमुख मार्गों, आई डब्ल्यू एम की टीम बाजारों, व्यावसायिक क्षेत्रों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सफाई कार्य करेगी. सफाई मित्रों के साथ मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों एवं अन्य संसाधनों के माध्यम से पटाखों के अवशेष, कागज, डिब्बों तथा अन्य कचरे तुरंत निस्तारण करें, ताकि शहर की स्वच्छता बरकरार नजर आए.

अधिकारी सफाई कार्यों की निगरानी करें: आयुक्त ने निर्देश दिए कि विशेष सफाई अभियान में सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मैदान में उपस्थित रहे. वरिष्ठ अधिकारी विभिन्न क्षेत्रों में सफाई कार्यों की निगरानी करेंगे.

75 वर्षीय अभय कोठारी की देह चिकित्सा शिक्षा के लिए दान

- पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर दी अंतिम विदाई
- सात दिन में इंदौर में हुए आठ देहदान

नव भारत न्यूज

इंदौर. जीवनभर अंगदान और देहदान का भाव रखने वाले 75 वर्षीय अभय कुमार कोठारी ने मृत्यु के बाद भी मानव सेवा की मिसाल पेश की. उनके निधन के बाद बेटे सुमित कोठारी और परिवार ने उनकी पार्थिव देह चिकित्सा शिक्षा के लिए आरएन कपूर आयुर्वेदिक कॉलेज को दान कर दी. मुख्यमंत्री की पहल के तहत जारी शासकीय आदेश के अनुसार इंदौर पुलिस ने निवास पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर उन्हें अंतिम विदाई दी. श्वेतांबर जैन समाज के वरिष्ठ अभय कुमार



कोठारी का दोपहर 2.15 बजे निधन हुआ था. शाम 5 बजे उनकी देह कॉलेज को समर्पित की गई. परिवार ने नेत्र और त्वचा दान की भी सहमति दी थी, लेकिन संक्रमण के कारण यह संभव नहीं हो सका. देहदान से चिकित्सा विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना समझने और भविष्य में बेहतर चिकित्सक बनने के लिए व्यावहारिक अध्ययन का अवसर मिलेगा. इस पूरी प्रक्रिया में मुस्कान ग्रुप पारमार्थिक ट्रस्ट के जीतू बगानी और संदीपन आर्य ने परिवार के साथ समन्वय किया. सामाजिक कार्यकर्ता अभय जैन मधुबन और दिवंगत के भतीजे अंकित कोठारी ने भी सहयोग दिया। उल्लेखनीय है कि पिछले सात दिनों में इंदौर में आठ देहदान हो चुके हैं.

तनावपूर्ण जीवन में घंटाकर्ण अनुष्ठान एक मानसिक कवच

अनुष्ठान आराधिका डॉ. कुमुद लता महाराज के सानिध्य में विराट घंटाकर्ण अनुष्ठान सम्पन्न

इन्दौर. अनुष्ठान आराधिका महासती डॉ. कुमुद लता महाराज आदि ठाणा-4 के पावन सानिध्य में शनिवार को दिवाकर दरबार, नरसिंह वाटिका पर विराट घंटाकर्ण अनुष्ठान का आयोजन हुआ. इस अनुष्ठान में देशभर से आए लगभग 2500 अनुष्ठान आराधकों ने सामूहिक रूप से घंटाकर्ण मंत्र का जाप कर विश्व शांति, रोग मुक्ति और आत्मबल की कामना की.



समारोह के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय रहे, जबकि अध्यक्षता समाजसेवी विनोद मांडोत, पुणे ने की. इस अवसर पर मुख्य रूप से अतुल दर्शना जैन औरंगाबाद, प्रवीण दुगड़, पुणे, दिनेश छाजेड़, पुणे, नरेश कांकरिया चेन्नई, अंकित छाजेड़ पुणे, विकास कोठारी, इन्दौर, रश्मि जैन, चित्तौड़गढ़ सहित देशभर के श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे. महासती डॉ. कुमुद लता महाराज ने कहा कि घंटाकर्ण महावीर भगवान महावीर स्वामी के शासन रक्षक देव हैं. जिस घर में घंटाकर्ण मंत्र का जाप होता है, वहाँ भय, रोग, नज़र-दोष, ऊपरी बाधा और शत्रु भय प्रवेश नहीं कर सकता. यह मंत्र व्यक्ति को केवल बाहरी संकटों से नहीं बचाता, बल्कि मन के भीतर के डर, चिंता और नकारात्मकता को भी दूर कर उसे निर्भय और वीर बनाता है. आज के तनावपूर्ण जीवन में घंटाकर्ण अनुष्ठान एक मानसिक कवच है. सामूहिक जाप से उत्पन्न होने वाली सकारात्मक ऊर्जा पूरे समाज को रोग, भय और अशांति से मुक्त करती है. अनुष्ठान के दौरान पूरा पंडाल ऊँ घंटाकर्ण महावीर, सर्व व्याधि विनाशकम् के मंत्र से गूंज उठा. अतिथियों का स्वागत महावीर भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष अचल चौधरी, कार्याध्यक्ष एवं चातुर्मास प्रमुख डीपीन जैन, चातुर्मास संयोजक प्रकाश भटेवरा, चातुर्मास मुख्य समन्वयक जिनेश्वर जैन, सह संयोजक राजकुमार जैन, हेमन्त बोहरा, कोषाध्यक्ष टी.सी. जैन सहित डॉ राजीव चौधरी,राजेश मेहता,अशोक मंडलीक, समरथमल कोठारी, हंस कुमार जैन आदि ने अतिथियों का स्वागत किया. संचालन जिनेश्वर जैन ने, व्यवस्थापन प्रकाश भटेवरा ने तथा आभार रमेश भण्डारी ने व्यक्त किया.

गुरु भी चलते-फिरते तीर्थ की तरह

इंदौर. जीवन में मंजिल की प्राप्ति के लिए संभावनाओं से काम नहीं चलेगा. जब तक मन में दृढ निश्चय नहीं होगा, मंजिल नही मिल पाएगी. जिस रास्ते पर हम चल रहे हैं, उसके बारे में यह सुनिश्चित होना चाहिए कि यह मार्ग सच्चा है. उस मार्ग पर चलने का निर्णय लेना ही महत्वपूर्ण है. गुरु भी चलते-फिरते तीर्थ की तरह होते हैं. भक्ति से ही आशीर्वाद की प्राप्ति होती है.



ये विचार हैं राष्ट्रसंत मुनि पुंगव सुधासागर महाराज के, जो उन्होंने सकल दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में छत्रपति नगर स्थित, दलाल बाग परिसर में निर्मित विद्या-सुधा मंडप में चातुर्मास महोत्सव में चल रहे समयसार शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर सांगानेर (जयपुर) से आए युवा विद्वानों एवं विदुषियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए. शनिवार को सुबह राष्ट्रसंत सुधासागर के सानिध्य में आयोजित धर्मसभा में गुरु की महत्ता और भक्ति के परिणाम पर प्रभावी आशीर्वचन हुए. प्रारम्भ में आयोजन समिति की ओर से चक्रवर्ती अध्यक्ष नवीन-शिवानी गोधा, सामाजिक संसद के अध्यक्ष आनंद-अंतिका गोधा, चक्रवर्ती मनीष-सपना गोधा, अध्यक्ष अशोक डोसी, महामंत्री हर्ष-तृप्ति जैन, आकाश जैन कोयला, विजय धुर्रा, प्रिंसपाल टोंग्या, संजय पाटोदी, सौरभ बडजात्या, राहुल सेठी एवं भूपेंद्र भोपाली आदि ने साधकों की अगवानी की.

लक्ष्मीनारायण प्रसन्नार्थ महायज्ञ में आज विशेष आहुतियां

इंदौर. विद्याधाम मंदिर एवं आश्रम पर कार्तिक मास के शुभारंभ अवसर पर प्रारम्भ हुए लक्ष्मीनारायण प्रसन्नार्थ महायज्ञ में रविवार 8 नवम्बर को कार्तिक अमावस्या पर रात्रि 10 बजे से प्रात:काल 4 बजे तक विशेष आहुतियाँ समर्पित की जाएंगी. आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में आश्रम की यज्ञशाला में चल रहे इस महायज्ञ में प्रतिदिन सुबह 8 से 11 बजे तक आहुतियाँ समर्पित की जा रही हैं। अब तक यहाँ 11 हजार आहुतियाँ सम्पन्न हो चुकी हैं। रूप चतुर्दशी के उपलक्ष्य में शनिवार को यम दीपदान में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।



आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा, सुश्री उमा शुक्ला एवं राजेंद्र महाजन ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सम्पूर्ण कार्तिक मास में स्थिर सिंह लग्न में यह विशेष अनुष्ठान आश्रम के 11 विद्वान आचार्यों के निर्देशन में जारी है. इस दौरान पुरुष सूक्त, श्रीसूक्त एवं लक्ष्मीनारायण की अर्चना से आहुतियाँ समर्पित की जा रही हैं। महायज्ञ में रविवार की रात्रि को 10 बजे से सोमवार की सुबह 4 बजे तक माँ को प्रिय व्यंजनों जैसे मालपुआ, हलवा, खीरान, कमलगट्टा, त्रिमधु, गन्ना, पान एवं अन्य व्यंजनों की आहुतियाँ समर्पित की जाएंगी.

यूनाइटेड नेशंस जैसे मंच तार्किक चिंतन का प्रभावी माध्यम

इंदौर. श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय इंदौर में आयोजित 10वें अंतरराष्ट्रीय मॉडल यूनाइटेड नेशंस सम्मेलन एसवीवीवीआईएमयूएन एक्स का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ. तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान विभिन्न समितियों में अंतरराष्ट्रीय मुद्दों, कूटनीति, वैश्विक सहयोग और समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श करने वाले प्रतिनिधियों ने समापन समारोह में अपने अनुभव साझा किए.

समारोह में प्रयागी सहजवानी ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सम्मेलन के दौरान आयोजित गतिविधियों, प्रतिनिधियों की सहभागिता तथा विभिन्न समितियों में हुए विचार-विमर्श का विवरण प्रस्तुत किया. इसके पश्चात् प्रतिनिधियों ने सम्मेलन से जुड़े अपने



अनुभव एवं प्रतिक्रियाएँ साझा कीं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रेक्टर एवं डीन-एकेडमिक्स डॉ. आनंद राजावत ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में ऐसे शैक्षणिक आयोजनों की भूमिका पर प्रकाश डाला. उन्होंने मॉडल यूनाइटेड नेशंस जैसे मंचों को विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों की समझ विकसित करने का प्रभावी माध्यम बताया.

समारोह के दौरान आयोजित सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न समितियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिनिधियों को बेस्ट डेलीगेट पुरस्कार से सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का औपचारिक समापन एसवीवीवीआईएमयूएन एक्स की सेक्रेटरी जनरल भुवनेश्वरी कश्यप द्वारा किया गया. इसके पश्चात् सम्मेलन के फैकल्टी को-ऑर्डिनेटर डॉ. अनुराग जोशी ने आभार माना.

परंपरा संस्था आनंद गोष्ठी ने इंदौर के सभी मुक्तिधामों पर किया दीपदान

दीपक जलाए, रंगोली सजाकर पुरखों को किया याद

इंदौर. त्योहारों के उल्लास में हमें अपने उन पुरखों को कभी नहीं भूलना चाहिए जिनकी वजह से हम सफलता पाते है. इसी उद्देश्य के साथ नरक चतुर्दशी के अवसर शहर के सभी मुक्तिधामों (श्मशानों) के मुख्य द्वारों पर एक दीया, पुरखों के नाम अभियान के तहत दीपदान और रंगोली मनाकर अपने अपने पूर्वजों को याद किया गया.



संस्था आनंद गोष्ठी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों द्वारा शहर के विभिन्न मुक्तिधामों के मुख्य द्वारों पर रंग-बिरंगी आकर्षक रंगोलियां सजातकर पूर्वजों की स्मृति में दीपक जलाए गए. कार्यक्रम का मुख्य आयोजन जूनी इंदौर मुक्तिधाम पर हुआ. कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ ही अच्छे मार्ग पर चलने का संकल्प लिया और अपनी गलतियों के लिए प्रायश्चित भी किया. संस्था आनंद गोष्ठी ने अभियान का माध्यम से समाज को संदेश दिया कि खुशियों के त्योहार दिवाली पर हमें उन पुरखों को नहीं भूलना चाहिए जिनकी वजह से हमारा अस्तित्व है. जूनी इंदौर मुक्तिधाम पर कार्यक्रम के दौरान संस्था के संयोजक लव गोविन्द मालू ने बताया कि यह अभियान भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय गोविन्द मालू द्वारा शुरू किया गया था। नरक चतुर्दशी के अवसर जूनी इंदौर, तिलक नगर, सयाजी मुक्ति धाम, मालवा मिल, रीजन पार्क मुक्ति धाम के मुख्यद्वार पर दीपक लगाकर व रंगोली मनाकर अभियान समाज को संदेश दिया है कि त्योहारों की खुशी में हमें अपने उन पुरखों को नहीं भूलना चाहिए जिनकी वजह से आज हमारा अस्तित्व है। पितरों का स्मरण करने से व्यक्ति अपने जीवन की भूलों और त्रुटियों के लिए पूर्वजों से अदृश्य रूप से क्षमायाचना मांगकर प्रायश्चित करता है. दिवाली सनातन धर्म का सबसे बड़ा त्योहार है. पितरों का स्मरण कर उनसे आशीर्वाद मांगना से सन्मार्ग पर चलने की शक्ति मिलती.

